लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 3, अंक 356, पृष्ठ 16+4, मूल्यः 6 रुपये

बरेली, रविवार, 6 नवंबर 2022

PAGE NO : 03 TOP

● एसआरएमएस रिद्धिमा में इंद्रधनुष रंग महोत्सव शाम 4 :00 बजे

PAGE NO : 05 BOTTOM

आयोजन

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव के पांचवें दिन जासूसी नाटक ' स्लूथ 'का हुआ मंचन

एक ही मंच पर देखने को मिला प्यार, धोखा, हत्या और सस्पेंस

अमृत विचार, बरेली

श्री राममूर्ति स्मारक रिद्धिमा में दूसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष रंग महोत्सव के पांचवें दिन शनिवार को 'एकलव्य थिएटर देहरादून' की ओर से नाटक 'स्लूथ' का मंचन किया गया। लेखक एंथनी शैफर लिखित 'स्लूथ' के हिंदी रूपांतरित नाटक में मुख्य पात्र कुंवर जयदीप सिंह खानदानी रईस होने के साथ जासूसी उपन्यासकार है। दूसरा मुख्य किरदार मनोज, कुंवर साहब की पत्नी शीला से प्रेम करता

रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार।

है और उससे शादी करना चाहता है। एक दिन कुंवर साहब मनोज को इस शादी की बात को पुख्ता करने के लिए अपने घर बुलाते हैं। वो मनोज को विश्वास दिलाते हैं कि उन्हें शीला और उसके शादी में कोई एतराज नहीं है, लेकिन मनोज को अगर शीला से शादी करनी है तो जाहिर है उसे बहुत पैसों की जरूरत होगी, क्योंकि शीला फितरत से बहुत खर्चीली है तो वह मनोज को अपने घर में रखे जेवरात चुराने के लिए राजी कर लेते है। वह मनोज को इसे एक खेल की तरह खेलने को कहते हैं क्योंकि उन्हें यह खेल रोमांचित करते हैं। कुंवर साहब इस चोरी को सच दिखाने का पूरा खेल रचते है। अंततः मनोज चोरी करने जा रहा होता है कि तभी कुंवर साहब उसे इस खेल का वास्तविक मकसद समझाते हैं, कि मैंने यह खेल रचा तुम्हारी मौत के लिए, अब देखो तुम मेरे घर में आधी रात को जेवरात के साथ पकड़े गए हो और मैं यानी घर का मालिक अपने बचाव में तुम्हें गोली मार देता हूं।

मनोज कुछ समझ नहीं पाता और कुंवर साहब से इन सबका जवाब मांगता है कि ऐसा क्यों कर रहे है। जवाब मिलता है कि मुझसे मेरी मिल्कियत कोई नहीं छीन सकता और वह मनोज पर गोली दाग देते है। दो दिन बाद कुंवर जयदीप सिंह के घर इंस्पेक्टर मलिक पहुंचता है और मनोज के लापता होने की तहकीकात करने की बात बताता है। बाद में पता चलता है कि इंस्पेक्टर मलिक ही मनोज है। मनोज बताता है कि उसने जयदीप की प्रेमिका शिखा का खून कर दिया है। इसी बीच पुलिस आ जाती है। सस्पेंस के खुलासे के साथ नाटक खत्म होता है। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद संतोष गंगवार, एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुरेश सुंदरानी, रजनी अग्रवाल, डा. एसबी गुप्ता, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार, डा. रीटा शर्मा, निशांत अग्रवाल आदि मौजूद रहे।